बिहार सरकार
निर्वाचन विभाग
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार का कार्यालय
7, सरदार पटेल मार्ग (मैंगल्स रोड), बिहार, पटना – 800015

दूरभाश सं०:– 0612–2217956
फैक्स:–
0612–2215611/2215978
ई–मेल:– ceo_bihar@eci.gov.in

प्रेस–विज्ञप्ति

दिनांक: 19 मई 2025,
स्थान: पटना, बिहार

निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी का वैशाली दौरा

अपने चार दिवसीय बिहार दौरे के अंतर्गत निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी आज वैशाली पहुंचे, जहां उन्होंने निर्वाचन कार्यों की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा की। इस अवसर पर आयोजित बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह जिलाधिकारी श्री यशपाल मीणा, पुलिस अधीक्षक श्री ललित मोहन शर्मा, सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, चयनित मतदान केंद्रों के बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी), निर्वाचन विभाग से उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अशोक प्रियदर्शी, स्वीप एवं स्टेट मीडिया नोडल पदाधिकारी श्री कपिल शर्मा तथा उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती प्रियंका सिन्हा उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक की शुरुआत में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा पावर प्वॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से वैशाली जिले से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़ों और चुनावी तथ्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया। तत्पश्चात निर्वाचन आयुक्त ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी सहभागी पक्षों की राजनीतिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना आयोग की प्राथमिकता है। ऐसे में सभी प्रमुख मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाएं, उनके सुझाव प्राप्त किए जाएं तथा संवाद की निरंतरता बनी रहे।

उन्होंने मतदाता सूची की शुद्धता पर विशेष जोर देते हुए निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों एवं मतदान केंद्र पदाधिकारियों से संवाद किया तथा उनकी तकनीकी समझ की जांच हेतु कुछ प्रश्न भी किए। उन्होंने आगामी संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत मृत मतदाताओं के नामों को नियमानुसार हटाने तथा 16–17 वर्ष आयु वर्ग के संभावित युवा मतदाताओं की समय रहते पहचान (मैपिंग) कर उन्हें सूचीबद्ध करने पर बल दिया।

मतदान केंद्र पदाधिकारियों से संवाद के दौरान उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित BLO App की तकनीकी जानकारी प्राप्त की और उसकी उपयोगिता पर फीडबैक भी लिया। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि EVM की फर्स्ट लेवल चेकिंग (FLC) की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए तथा इस संबंध में अद्यतन जानकारी भी प्राप्त की जाए।

मतदाता सूची की शुद्धता है प्राथमिकता

निर्वाचन आयुक्त ने यह दोहराया कि मतदाता सूची की शुद्धता आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण से प्राप्त डाटा का प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए, इस दिशा में सभी जिलों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जा चुके हैं।

डॉ. जोशी ने वैशाली जिले में स्थित 2,592 मतदान केंद्रों और 1,422 पोलिंग लोकेशनों पर एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटीज (AMF) की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि सभी मतदाताओं के लिए मतदान एक सहज, सुरक्षित और समावेशी अनुभव बन सके। उन्होंने जिले के भेदय मतदान केंद्रों की पहचान कर, पूर्व नियोजित रणनीति के तहत मानव संसाधन, सुरक्षा बल एवं परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए।

डॉ. जोशी ने वैशाली जिले में निर्वाचक लिंगानुपात (906) को जनगणना लिंगानुपात (895) से बेहतर बताते हुए संतोष व्यक्त किया और युवा मतदाताओं के पंजीकरण को सक्रिय रूप से सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

वैशाली जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान प्रतिशत 58.60 रहा, जो कि राज्य के औसत 56.28 से अधिक है। इस पर निर्वाचन आयुक्त ने जिला प्रशासन के प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 में जिले के मतदान प्रतिशत को राष्ट्रीय औसत 66.10 तक ले जाने का प्रयास किया जाए। इसके लिए उन्होंने माइक्रो लेवल स्वीप कार्य योजना तैयार कर सभी सहभागी पक्षों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मोतिहारी से वैशाली आने के क्रम में निर्वाचन आयुक्त डॉ. जोशी ने केसरिया स्तूप, महावीर जन्मस्थान तथा वैशाली के बासुकुंड का भी अवलोकन किया। वैशाली जिले के निरीक्षण के उपरांत निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी आज शाम को पटना हवाई अड्डे से नई दिल्ली वापस लौट जाएंगे।

,,,,,,,,,,,,,,,